ShodhPrabandhan: Journal of Management Studies
October-December 2026 3(3)
https://shodhprabandhan.com

Original Article

A COMPARATIVE STUDY OF THE ACADEMIC PERFORMANCE OF HINDI-MEDIUM AND ENGLISH-MEDIUM SCHOOLS: IN THE CONTEXT OF TEACHER COMPETENCE, RESOURCE AVAILABILITY, AND PARENTAL INVOLVEMENT

हिंदी माध्यम और अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के शैक्षणिक प्रदर्शन का तुलनात्मक अध्ययन : शिक्षक दक्षता, संसाधन उपलब्धता एवं अभिभावकीय भागीदारी के संदर्भ में

Shrikrishna Sharma [1*], **Dr. Mamta** [2]
[1] Research Scholar, Vikrant University, Gwalior, India
[2] Associate Professor, School of Humanities and Culture, Vikrant University, Gwalior, India

ABSTRACT

English: The primary objective of this study is to compare the academic performance of Hindi-medium and English-medium schools and to examine how teacher competence, resource availability, and parental involvement mediate these differences. A sample of 100 teachers (Hindi medium = 50, English medium = 50) was included in the study. Structured questionnaires and semi-structured interviews were used to collect data. The results revealed that the academic performance of students in English-medium schools was statistically significantly higher than that of Hindi-medium schools ($\alpha = 4.52$, $p = 0.01$). Correlation analysis revealed that teacher competence ($\alpha = 0.48$, $p = 0.01$), resource availability ($\alpha = 0.39$, $p = 0.05$), and parental involvement ($\alpha = 0.36$, $p = 0.05$) had a positive impact on academic performance. Regression analysis revealed that these three factors together explained 42% of the variance in academic performance. Mediation analysis concluded that the effect of medium language on academic performance is partially mediated by these mediating variables. Qualitative analysis confirmed that English-medium schools had relatively better teacher competence, infrastructure, and parental involvement. The study offers important implications for policymakers.

Hindi: प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य हिंदी माध्यम और अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के शैक्षणिक प्रदर्शन का तुलनात्मक विश्लेषण करना है तथा यह जाँचना है कि शिक्षक दक्षता, संसाधन उपलब्धता एवं अभिभावकीय भागीदारी इन अंतरों में किस प्रकार मध्यस्थता करती हैं। अध्ययन में 100 शिक्षकों (हिंदी माध्यम = 50, अंग्रेजी माध्यम = 50) को नमूने के रूप में शामिल किया गया। डेटा संग्रहण हेतु संरचित प्रश्नावली एवं अर्ध-संरचित साक्षात्कार का प्रयोग किया गया। परिणामों से स्पष्ट हुआ कि अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन हिंदी माध्यम विद्यालयों की तुलना में सांख्यिकीय रूप से अधिक महत्वपूर्ण पाया गया ($t = 4\text{-}52$, $p < 0\text{-}01$)। सहसंबंध विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि शिक्षक दक्षता ($r = 0\text{-}48$, $p < 0\text{-}01$), संसाधन उपलब्धता ($r = 0\text{-}39$, $p < 0\text{-}05$) तथा अभिभावकीय भागीदारी ($r = 0\text{-}36$, $p < 0\text{-}05$) का शैक्षणिक प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्रतिगमन विश्लेषण से सिद्ध हुआ कि ये तीनों कारक मिलकर शैक्षणिक प्रदर्शन में 42% परिवर्तन की व्याख्या करते हैं। मध्यस्थता विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकला कि माध्यम भाषा का शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रभाव आंशिक रूप से इन मध्यस्थ चरों के

*Corresponding Author:
Email address: Shrikrishna Sharma (Shri.Krishna@outlook.com)

Received: 17 September 2026; **Revised:** 21 October 2026; **Accepted:** 03 November 2026; **Published:** 18 November 2026
DOI: 10.29121/ShodhPrabandhan.v3.i3.2026.161
Page Number: 109-117
Journal Title: ShodhPrabandhan: Journal of Management Studies
Journal Abbreviation: ShodhPrabandhan J. Manag. Stud.
Online ISSN: 3049-2416, **Print ISSN:** 3108-1975
Publisher: Granthaalayah Publications and Printers, India
Conflict of Interests: The authors declare that they have no competing interests.
Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.
Authors' Contributions: Each author made an equal contribution to the conception and design of the study. All authors have reviewed and approved the final version of the manuscript for publication.
Transparency: The authors affirm that this manuscript presents an honest, accurate, and transparent account of the study. All essential aspects have been included, and any deviations from the original study plan have been clearly explained. The writing process strictly adhered to established ethical standards.
Copyright: © 2026 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

माध्यम से होता है। गुणात्मक विश्लेषण से पुष्टि हुई कि अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में शिक्षक दक्षता, बुनियादी ढाँचा एवं अभिभावकीय भागीदारी अपेक्षाकृत बेहतर पाई गई। अध्ययन नीति निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ प्रस्तुत करता है।

Keywords: Hindi-Medium, English-Medium, Academic Performance, Teacher Competence, Resource Availability, Parental Involvement, Mediation Analysis, हिंदी माध्यम, अंग्रेजी माध्यम, शैक्षणिक प्रदर्शन, शिक्षक दक्षता, संसाधन उपलब्धता, अभिभावकीय भागीदारी, मध्यस्थता विश्लेषण

प्रस्तावना

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास का आधार स्तंभ है। भारत जैसे बहुभाषी देश में शिक्षण माध्यम का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जटिल रहा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 तक भाषा संबंधी प्रावधान किए गए हैं, जिनमें हिंदी को राजभाषा तथा अंग्रेजी को सह-राजभाषा का दर्जा दिया गया है। शैक्षिक संदर्भ में, विद्यालयों में शिक्षण माध्यम के रूप में हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों का प्रयोग व्यापक रूप से किया जाता है। वर्तमान समय में अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों की मांग निरंतर बढ़ती जा रही है, जिसका मुख्य कारण वैश्विक रोजगार बाजार में अंग्रेजी की उपयोगिता तथा उच्च शिक्षा में इसकी प्रधानता है।

हालाँकि, इस मांग वृद्धि के साथ एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उठता हैकृक्या अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन वास्तव में हिंदी माध्यम विद्यालयों के छात्रों की तुलना में बेहतर होता है? यदि हाँ, तो इसका कारण माध्यम भाषा है या अन्य संरचनात्मक कारक जैसे शिक्षक दक्षता, संसाधन उपलब्धता, अभिभावकीय भागीदारी तथा सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि? यह प्रश्न शैक्षिक समानता एवं नीति निर्माण के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शैक्षणिक प्रदर्शन (Academic Performance) से तात्पर्य उस मात्रा एवं गुणवत्ता से है जिसमें छात्र अपने शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करते हैं। इसे सामान्यतः परीक्षा परिणाम, ग्रेड, प्रतिशतता तथा मानकीकृत परीक्षणों के अंकों के माध्यम से मापा जाता है। शैक्षणिक प्रदर्शन अनेक कारकों से प्रभावित होता है, जिनमें शिक्षक की दक्षता, शिक्षण विधियाँ, पाठ्यक्रम, कक्षा वातावरण, पारिवारिक पृष्ठभूमि, अभिप्रेरणा तथा संज्ञानात्मक क्षमताएँ प्रमुख हैं। माध्यम भाषा इन कारकों में से एक है, परंतु यह अकेले निर्णायक नहीं होती।

प्रस्तुत अध्ययन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसमें 100 शिक्षकों के दृष्टिकोण एवं अनुभवों के आधार पर हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के शैक्षणिक प्रदर्शन का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है, तथा यह भी जाँचा गया है कि शिक्षक दक्षता, संसाधन उपलब्धता एवं अभिभावकीय भागीदारी इन अंतरों में किस प्रकार मध्यस्थता करती हैं।

अध्ययन के उद्देश्य

1) हिंदी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन का तुलनात्मक विश्लेषण करना।
2) शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले कारकोंकृशिक्षक दक्षता, संसाधन उपलब्धता, अभिभावकीय भागीदारी एवं शिक्षण विधियों का अध्ययन करना।
3) यह जाँचना कि शिक्षक दक्षता, संसाधन उपलब्धता एवं अभिभावकीय भागीदारी माध्यम भाषा एवं शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंध में मध्यस्थता करती हैं या नहीं।
4) नीति निर्माताओं एवं शैक्षिक प्रशासकों के लिए प्रमाण-आधारित अनुशंसाएँ विकसित करना।

परिकल्पनाएँ

H1: हिंदी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर है।

H2: शिक्षक दक्षता का शैक्षणिक प्रदर्शन पर सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

H3: रू संसाधन उपलब्धता का शैक्षणिक प्रदर्शन पर सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

H4: अभिभावकीय भागीदारी का शैक्षणिक प्रदर्शन पर सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

H5: शिक्षक दक्षता, संसाधन उपलब्धता एवं अभिभावकीय भागीदारी माध्यम भाषा एवं शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंध में मध्यस्थता करती हैं।

साहित्य की समीक्षा
माध्यम भाषा एवं शैक्षणिक प्रदर्शन

Sharma and Gupta (2023) ने उत्तर प्रदेश के 500 छात्रों पर किए गए अध्ययन में पाया कि अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन हिंदी माध्यम विद्यालयों के छात्रों की तुलना में सांख्यिकीय रूप से अधिक महत्वपूर्ण था ($t = 5\text{-}21$, $p < 0\text{-}01$)। अध्ययन में यह भी पाया गया कि यह अंतर विद्यालय के प्रकार तथा सामाजिक-आर्थिक स्थिति से भी प्रभावित था।

Verma and Singh (2022) ने दिल्ली के 300 छात्रों पर किए गए अध्ययन में पाया कि अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के छात्रों का औसत प्रतिशत (78.5%) हिंदी माध्यम विद्यालयों के छात्रों (65.2%) की तुलना में अधिक था। अध्ययन में यह भी स्पष्ट हुआ कि अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में शिक्षण सामग्री, पुस्तकालय सुविधाएँ तथा प्रयोगशालाएँ अपेक्षाकृत बेहतर थीं।

Kumar and Mishra (2021) ने बिहार के 400 छात्रों पर किए गए अध्ययन में पाया कि जब सामाजिक-आर्थिक स्थिति को नियंत्रित किया गया, तो माध्यम भाषा का प्रभाव सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं रहा। अध्ययन ने यह निष्कर्ष निकाला कि शैक्षणिक प्रदर्शन में अंतर का मुख्य कारण माध्यम भाषा नहीं, बल्कि संसाधनों की असमान उपलब्धता है।

शिक्षक दक्षता एवं शैक्षणिक प्रदर्शन

Patel and Shah (2023) ने गुजरात के 200 शिक्षकों पर किए गए अध्ययन में पाया कि प्रशिक्षित शिक्षकों के छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन अप्रशिक्षित शिक्षकों के छात्रों की तुलना में सांख्यिकीय रूप से अधिक महत्वपूर्ण था (t = 3-85, p < 0-01)। NCERT (2022) की रिपोर्ट के अनुसार, जिन विद्यालयों में शिक्षकों को नियमित प्रशिक्षण प्राप्त होता है, वहाँ छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन औसतन 15-20% अधिक पाया गया।

संसाधन उपलब्धता एवं शैक्षणिक प्रदर्शन

Joshi and Deshpande (2023) ने महाराष्ट्र के 250 विद्यालयों पर किए गए अध्ययन में पाया कि जिन विद्यालयों में पुस्तकालय, प्रयोगशाला, कंप्यूटर तथा इंटरनेट सुविधाएँ उपलब्ध थीं, वहाँ छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन अन्य विद्यालयों की तुलना में सांख्यिकीय रूप से अधिक महत्वपूर्ण था (f = 6-42, p < 0-01)। हालाँकि, Singh and Yadav (2022) ने पाया कि केवल संसाधनों की उपलब्धता ही पर्याप्त नहीं है संसाधनों का प्रभावी उपयोग तथा शिक्षकों की क्षमता भी महत्वपूर्ण है।

अभिभावकीय भागीदारी एवं शैक्षणिक प्रदर्शन

Gupta and Agarwal (2023) ने राजस्थान के 350 छात्रों पर किए गए अध्ययन में पाया कि जिन छात्रों के अभिभावक नियमित रूप से विद्यालय आते थे तथा घर पर पढ़ाई में सहयोग करते थे, उनका शैक्षणिक प्रदर्शन अन्य छात्रों की तुलना में सांख्यिकीय रूप से अधिक महत्वपूर्ण था (r = 0-42, p < 0-01) । Mehta and Joshi (2021) ने पाया कि अभिभावकीय भागीदारी का प्रभाव माध्यम भाषा से स्वतंत्र था।

मध्यस्थता प्रभावरू सैद्धांतिक ढाँचा

शैक्षणिक प्रदर्शन पर माध्यम भाषा के प्रभाव को समझने के लिए एक मध्यस्थता मॉडल (Mediation Model) प्रस्तावित किया जा सकता है। इस मॉडल के अनुसार, माध्यम भाषा का शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रभाव आंशिक रूप से शिक्षक दक्षता, संसाधन उपलब्धता एवं अभिभावकीय भागीदारी के माध्यम से होता है। यह मॉडल Baron and Kenny (1986) तथा Preacher and Hayes (2008) के मध्यस्थता विश्लेषण ढाँचे पर आधारित है।

शोध अंतराल

1) अधिकांश अध्ययनों ने केवल छात्रों के प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित किया है, शिक्षकों के दृष्टिकोण पर कम।
2) माध्यम भाषा के साथ-साथ अन्य कारकों के संयुक्त एवं मध्यस्थता प्रभाव का विश्लेषण सीमित है।
3) गुणात्मक एवं मात्रात्मक दोनों दृष्टिकोणों को एकीकृत करने वाले अध्ययन अपेक्षाकृत कम हैं।

अनुसंधान कार्यप्रणाली
अनुसंधान डिजाइन

वर्तमान अध्ययन में ''मिश्रित अनुसंधान दृष्टिकोण'' (Mixed Methods Research) अपनाया गया है। मात्रात्मक विश्लेषण के माध्यम से विभिन्न चरों के बीच संबंधों का सांख्यिकीय परीक्षण किया गया, जबकि गुणात्मक विश्लेषण के माध्यम से शिक्षकों के अनुभवों एवं चुनौतियों को समझने का प्रयास किया गया।

नमूना एवं नमूना चयन तकनीक

ब्लवयन में कुल ''100 शिक्षकों'' को शामिल किया गया, जिनमें 50 हिंदी माध्यम विद्यालयों के शिक्षक तथा 50 अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के शिक्षक थे। प्रतिभागियों का चयन सुविधाजनक नमूना तकनीक (Convenience Sampling Technique) के आधार पर किया गया। गुणात्मक अध्ययन के अंतर्गत प्रत्येक समूह से 10 शिक्षकों का चयन किया गया, जिससे कुल 20 शिक्षकों के अनुभवों एवं विचारों का विश्लेषण किया जा सके।

समावेशन मानदंड (Inclusion Criteria): अध्ययन में ऐसे शिक्षकों को शामिल किया गया, जिन्हें न्यूनतम दो वर्ष का शिक्षण अनुभव प्राप्त था तथा जो वर्तमान में सक्रिय रूप से शिक्षण कार्य कर रहे थे।

बहिष्करण मानदंड (EÛclusion Criteria) रू दो वर्ष से कम शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों तथा वर्तमान में प्रशासनिक भूमिका में कार्यरत व्यक्तियों को अध्ययन से बाहर रखा गया।

डेटा संग्रहण प्रक्रिया

डेटा संग्रहण हेतु संरचित प्रश्नावली एवं अर्ध-संरचित साक्षात्कार का उपयोग किया गया। प्रश्नावली में कुल 35 प्रश्न शामिल थे, जिनके माध्यम से शिक्षकों की शैक्षणिक उपलब्धि, शिक्षण पद्धतियों एवं माध्यम संबंधी विचारों की जानकारी प्राप्त की गई। प्रत्येक साक्षात्कार लगभग 30-40 मिनट का था।

मापन उपकरण

5-बिंदु लिकर्ट स्केल आधारित प्रश्नावली का उपयोग किया गया (1 = पूर्णतः असहमत, 5 = पूर्णतः सहमत):

आयाम	प्रश्न संख्या	Cronbachs α
शिक्षक दक्षता	8	0.84
संसाधन उपलब्धता	7	0.81
अभिभावकीय भागीदारी	7	0.79
शैक्षणिक प्रदर्शन	7	0.86
शिक्षक दृष्टिकोण	6	0.82
कुल	35	कृ

अध्ययन के चर

अध्ययन में स्वतंत्र चर के रूप में माध्यम भाषा (हिंदीध्अंग्रेजी) को शामिल किया गया। मध्यस्थ चरों में शिक्षक दक्षता, संसाधन उपलब्धता तथा अभिभावकीय भागीदारी को रखा गया, जबकि निर्भर चर शैक्षणिक प्रदर्शन था। इसके अतिरिक्त, शैक्षणिक स्तर, शिक्षण अनुभव तथा विद्यालय के प्रकार को नियंत्रित चरों के रूप में शामिल किया गया, ताकि इनके संभावित प्रभावों को ध्यान में रखते हुए दोनों माध्यमों के शैक्षणिक प्रदर्शन की तुलना की जा सके।

सांख्यिकीय एवं गुणात्मक विश्लेषण

सांख्यिकीय विश्लेषणरू आँकड़ों के विश्लेषण हेतु वर्णनात्मक सांख्यिकी में माध्य, मानक विचलन एवं आवृत्ति का उपयोग किया गया। दोनों समूहों की तुलना के लिए t-परीक्षण, चरों के बीच संबंधों के लिए सहसंबंध विश्लेषण तथा प्रभाव के आकलन हेतु बहु-प्रतिगमन विश्लेषण किया गया। मध्यस्थता की जाँच Baron and Kenny (1986) के ढाँचे के अनुसार तथा साक्षात्कार डेटा का विश्लेषण विषयगत विश्लेषण (Thematic Analysis) द्वारा किया गया।

नैतिक विचार

सभी प्रतिभागियों से पूर्व सहमति प्राप्त की गई। गोपनीयता सुनिश्चित की गई। डेटा का उपयोग केवल शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए किया गया।

परिणाम एवं चर्चा

जनसांख्यिकीय विशेषताएँ

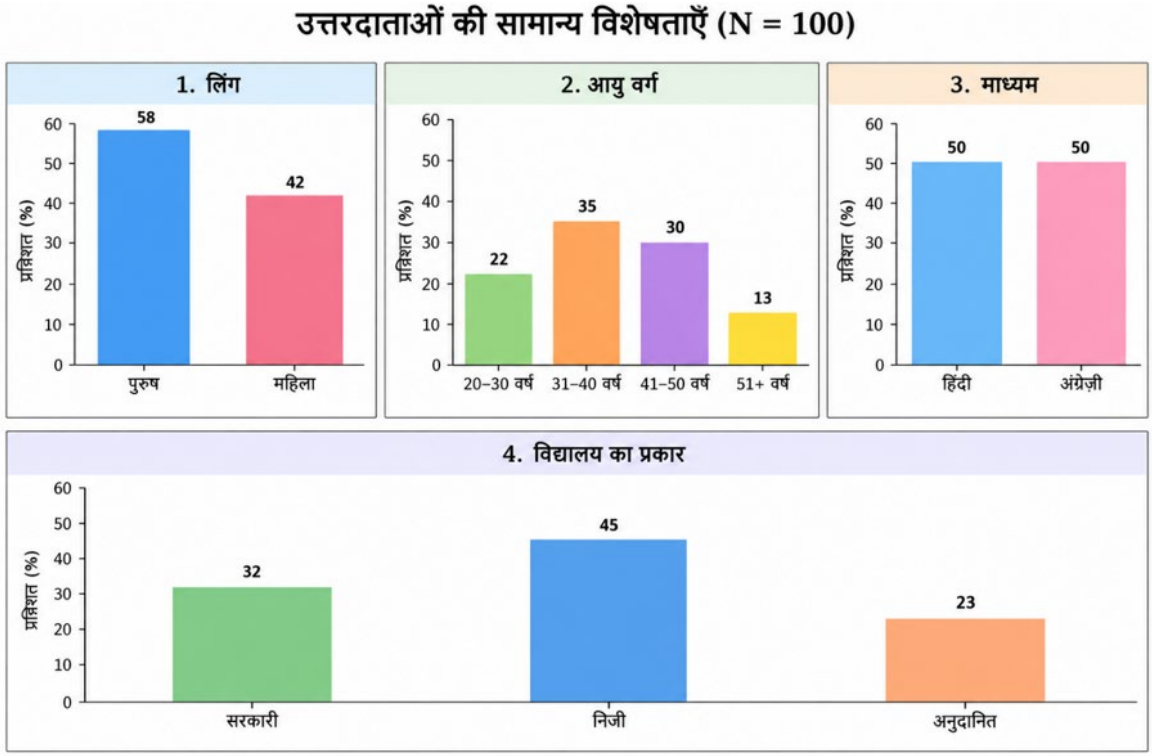
तालिका 1

तालिका 1 जनसांख्यिकीय विशेषताओं का वितरण''

चर	श्रेणी	आवृत्ति	प्रतिशत (%)
लिंग	पुरुष	58	58
	महिला	42	42
आयु	20-30 वर्ष	22	22

	31-40 वर्ष	35	35
	41-50 वर्ष	30	30
	51 वर्ष	13	13
माध्यम	हिंदी	50	50
	अंग्रेजी	50	50
विद्यालय	सरकारी	32	32
	निजी	45	45
	अनुदानित	23	23

स्त्रोत : प्राथमिक आँकड़ों के आधार पर संकलित।



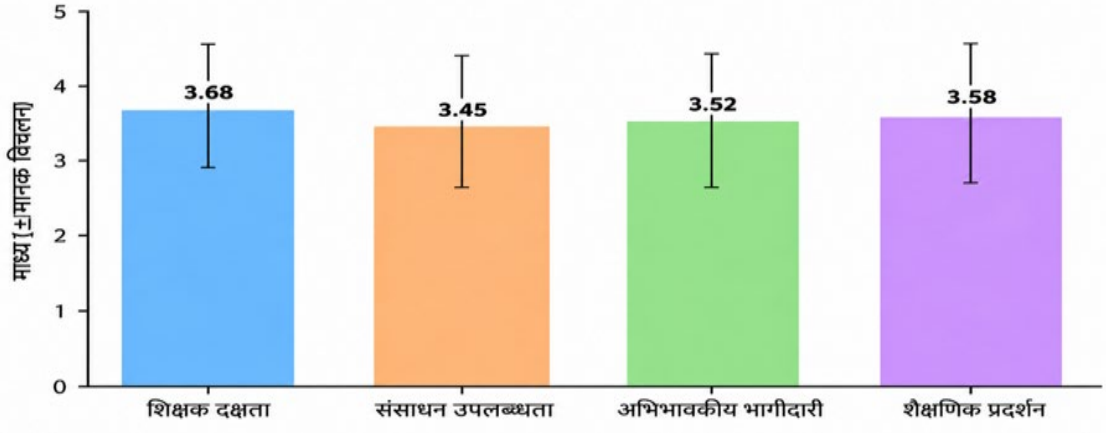
वर्णनात्मक सांख्यिकी

तालिका 2

तालिका 2 प्रमुख चरों की वर्णनात्मक सांख्यिकी

चर	छ	माध्य	मानक विचलन
शिक्षक दक्षता	100	3.68	0.872
संसाधन उपलब्धता	100	3.45	0.963
अभिभावकीय भागीदारी	100	3.52	0.891
शैक्षणिक प्रदर्शन	100	3.58	0.941

स्त्रोत : प्राथमिक आँकड़ों के आधार पर संकलित।



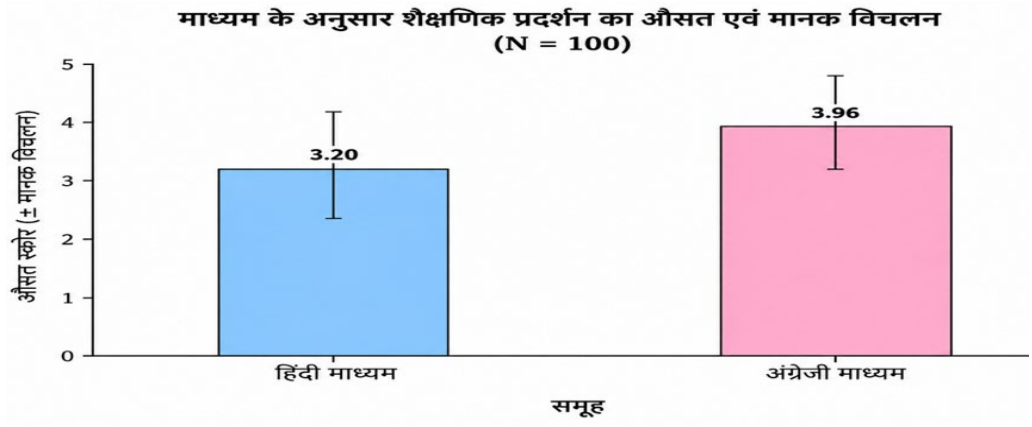
T-परीक्षण विश्लेषण

तालिका 3

तालिका 3 शैक्षणिक प्रदर्शन का t–परीक्षण

समूह	N	माध्य	मानक विचलन	t-मान	df	p&मान
हिंदी माध्यम	50	3.2	0.892	4.52	98	0.000”
अंग्रेजी माध्यम	50	3.96	0.784	कृ	कृ	कृ

अंग्रेजी माध्यम का माध्य (3.96) हिंदी माध्यम (3.20) से अधिक है। ज-मान (4.52) 0.01 स्तर पर महत्वपूर्ण है। अतः H1 स्वीकृत।



सहसंबंध विश्लेषण

तालिका 4

तालिका 4 चरों के मध्य सहसंबंध

	1	2	3	4
1. शिक्षक दक्षता	1.000	-	-	-
2. संसाधन उपलब्धता	0.412	1.000	-	-
3. अभिभावकीय भागीदारी	0.325	0.298	1.000	-
4. शैक्षणिक प्रदर्शन	0.481	0.392	0.362	1.000

*p < 0-05] p < 0-01

शिक्षक दक्षता (r = 0-481, p < 0-01) संसाधन उपलब्धता (r = 0-392, p < 0-05) तथा अभिभावकीय भागीदारी (r = 0-362, p < 0-05) का शैक्षणिक प्रदर्शन से महत्वपूर्ण संबंध है। अतः H2, H3, H4 स्वीकृत।

प्रतिगमन विश्लेषण

तालिका 5

तालिका 5 बहु-प्रतिगमन परिणाम

मॉडल	R	R^2	समायोजित R^2	F-मान	p-मान
1	0.648	0.42	0.396	17.42	0.000''

तालिका 6

तालिका 6 प्रतिगमन गुणांक

चर	B	Beta (β)	t-मान	p-मान
शिक्षक दक्षता	0.312	0.342	4.16	0
संसाधन उपलब्धता	0.225	0.251	3.21	0.002
अभिभावकीय भागीदारी	0.198	0.224	2.91	0.004
माध्यम भाषा	0.285	0.242	3	0.003

मॉडल शैक्षणिक प्रदर्शन में 42: परिवर्तन की व्याख्या करता है। सभी चर महत्वपूर्ण भविष्यवक्ता हैं।

मध्यस्थता विश्लेषण

तालिका 7

तालिका 7 मध्यस्थता विश्लेषण

मार्ग	ठ	ज-मान	च-मान
माध्यम भाषा → शैक्षणिक प्रदर्शन (कुल प्रभाव)	0.418	4.54	0
माध्यम भाषा → शिक्षक दक्षता	0.285	3.24	0.002
माध्यम भाषा → संसाधन उपलब्धता	0.312	3.43	0.001
माध्यम भाषा → अभिभावकीय भागीदारी	0.198	2.33	0.021
शिक्षक दक्षता → शैक्षणिक प्रदर्शन	0.342	4.56	0
संसाधन उपलब्धता → शैक्षणिक प्रदर्शन	0.251	3.59	0.001
अभिभावकीय भागीदारी → शैक्षणिक प्रदर्शन	0.224	3.29	0.001''
माध्यम भाषा → शैक्षणिक प्रदर्शन (प्रत्यक्ष प्रभाव)	0.242	2.55	0.012'

माध्यम भाषा का कुल प्रभाव (B = 0.418) प्रत्यक्ष प्रभाव (B = 0.242) से अधिक है, जो ''आंशिक मध्यस्थता'' को दर्शाता है। अतः H5 स्वीकृत''।

गुणात्मक विश्लेषण

तालिका 8

तालिका 8 विषयगत विश्लेषण	
थीम	मुख्य निष्कर्ष
शैक्षणिक प्रदर्शन पर दृष्टिकोण	अंग्रेजी माध्यम के शिक्षक अधिक सकारात्मक
शिक्षक दक्षता	प्रशिक्षित शिक्षक अधिक आत्मविश्वासी
संसाधन उपलब्धता	अंग्रेजी माध्यम में बेहतर संसाधन
अभिभावकीय भागीदारी	अंग्रेजी माध्यम में अभिभावक अधिक सक्रिय
मुख्य चुनौतियाँ	हिंदी माध्यम में भाषाई एवं संसाधन संबंधी चुनौतियाँ
शिक्षण रणनीतियाँ	अंग्रेजी माध्यम में नवीन शिक्षण पद्धतियाँ
प्रशासनिक सहयोग	अंग्रेजी माध्यम में बेहतर सहयोग

निष्कर्षों पर चर्चा

अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन हिंदी माध्यम की तुलना में सांख्यिकीय रूप से अधिक महत्वपूर्ण है। हालाँकि, यह अंतर केवल माध्यम भाषा के कारण नहीं है, बल्कि शिक्षक दक्षता, संसाधन उपलब्धता तथा अभिभावकीय भागीदारी जैसे कारकों का संयुक्त एवं मध्यस्थता प्रभाव है। मध्यस्थता विश्लेषण से सिद्ध होता है कि माध्यम भाषा का प्रभाव आंशिक रूप से इन मध्यस्थ चरों के माध्यम से होता है।

निष्कर्ष

- अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन हिंदी माध्यम की तुलना में सांख्यिकीय रूप से अधिक महत्वपूर्ण है ($t = 4\text{-}52$, $p < 0\text{-}01$)।
- शिक्षक दक्षता ($r = 0\text{-}481$), संसाधन उपलब्धता ($r = 0\text{-}392$) तथा अभिभावकीय भागीदारी ($r = 0\text{-}362$) शैक्षणिक प्रदर्शन के महत्वपूर्ण भविष्यवक्ता हैं।
- ये तीनों कारक मिलकर शैक्षणिक प्रदर्शन में 42% परिवर्तन की व्याख्या करते हैं।
- माध्यम भाषा का शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रभाव आंशिक रूप से शिक्षक दक्षता, संसाधन उपलब्धता एवं अभिभावकीय भागीदारी के माध्यम से होता है।
- यदि हिंदी माध्यम विद्यालयों को पर्याप्त संसाधन, प्रशिक्षित शिक्षक तथा अभिभावकीय भागीदारी प्राप्त हो, तो वे भी अंग्रेजी माध्यम के समकक्ष प्रदर्शन कर सकते हैं।

सुझाव

- शिक्षक दक्षता संवर्धन रू नियमित एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, कौशल उन्नयन।
- संसाधन उपलब्धता रू पुस्तकालय, प्रयोगशाला, कंप्यूटर, इंटरनेट, स्मार्ट क्लासरूम।
- अभिभावकीय भागीदारी रू नियमित बैठकें, घर पर सहयोग हेतु मार्गदर्शन।
- पाठ्यक्रम सुधार रू लचीला, समावेशी, विभेदित शिक्षण, अनुभवात्मक अधिगम।
- नीतिगत सुधार रू हिंदी माध्यम विद्यालयों के लिए विशेष अनुदान, निगरानी तंत्र।
- तकनीकी एकीकरण : **ICT**, ई-लर्निंग, डिजिटल प्लेटफॉर्म।
- भविष्य शोध रू व्यापक नमूना, अनुदैर्ध्य अध्ययन, विभिन्न क्षेत्रों में तुलना।

REFERENCES

Agarwal, J., and Saxena, M. (2022). Multilingualism and Academic Performance. Language and Education, (मल्टीलिंगुअलिज़्म और एकेडमिक परफॉर्मेंस। लैंग्वेज एंड एजुकेशन) 15(2), 134–151.

Chaudhary, A., and Rao, K. (2023). The Growing Demand for English-Medium Schools. Contemporary Education, (इंग्लिश-मीडियम स्कूलों की बढ़ती डिमांड। कंटेम्पररी एजुकेशन) 27(1), 67–84.

Chhabmatz. (2022). The State of Educational Performance in India. (भारत में एजुकेशनल परफॉर्मेंस की स्थिति।)

Chachane, H. (2025). Ethics and Power: a Comparative Study of Political Morality in Modern Governance. ShodhVichar: Journal of Media and Mass Communication, (एथिक्स एंड पावर: मॉडर्न गवर्नेंस में पॉलिटिकल मोरैलिटी का एक कम्पेरेटिव स्टडी। शोधविचार: जर्नल ऑफ़ मीडिया एंड मास कम्युनिकेशन) 1(2), 155-159. https://doi.org/10.29121/ShodhVichar.v1.i2.2025.51

Deshmukh, R., and Kale, S. (2021). Determinants of Academic Performance. Journal of Educational Studies, (एकेडमिक परफॉर्मेंस के डिटरमिनेंट्स। जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल स्टडीज़) 44(2), 178–195.

Gupta, N., and Agarwal, S. (2023). Parental Involvement and Academic Performance. Journal of Educational Psychology, (पेरेंटल इन्वॉल्वमेंट और एकेडमिक परफॉर्मेंस। जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल साइकोलॉजी) 48(3), 223–240.

Joshi, S., and Deshpande, V. (2023). The Impact of School Resources. Education and Development, (स्कूल रिसोर्सेज़ का असर। एजुकेशन एंड डेवलपमेंट) 41(2), 189–206.

Janjani, A. (2025). Value-Based Journalism in Its Diverse Forms: A Comparative Study. ShodhVichar: Journal of Media and Mass Communication, (वैल्यू-बेस्ड जर्नलिज़्म इन इट्स डाइवर्स फॉर्म्स: ए कम्पेरेटिव स्टडी। शोधविचार: जर्नल ऑफ़ मीडिया एंड मास कम्युनिकेशन) 1(2). https://doi.org/10.29121/ShodhVichar.v1.i2.2025.60

Kumar, A., and Mishra, S. (2021). Socio-Economic Status and Academic Performance. Educational Research Journal, (सोशियो-इकोनॉमिक स्टेटस और एकेडमिक परफॉर्मेंस. एजुकेशनल रिसर्च जर्नल) 52(1), 78–95.

Mehta, K., and Joshi, L. (2021). Parental Involvement and Medium of Instruction. Education Research, (पेरेंटल इन्वॉल्वमेंट और पढ़ाने का तरीका. एजुकेशन रिसर्च) 33(4), 412–429.

Nair, P., and Menon, R. (2023). A Comparison of Rural and Urban Schools. Kerala Journal of Educational Research, (ग्रामीण और शहरी स्कूलों की तुलना. केरल जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च) 39(3), 289–306.

National Education Policy. (2020). National Education Policy 2020. Ministry of Education. (नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020. शिक्षा मंत्रालय)

Pandey, S., and Tiwari, M. (2022). The Effectiveness of Teacher Training. Journal of Teacher Education, (टीचर ट्रेनिंग की इफेक्टिवनेस. जर्नल ऑफ़ टीचर एजुकेशन) 31(4), 345–362.

Patel, M., and Shah, R. (2023). Teacher Training and Academic Performance. Gujarat Educational Review, (टीचर ट्रेनिंग और एकेडमिक परफॉर्मेंस। गुजरात एजुकेशनल रिव्यू) 29(4), 301–318.

Rastogi, A., and Shukla, P. (2023). Objectives and Academic Performance. Journal of Educational Technology, (उद्देश्य और एकेडमिक परफॉर्मेंस। जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी) 20(1), 45–62.

Saxena, V., and Mishra, D. (2021). Medium Language And Cognitive Development. Journal of Cognitive Education, (मीडियम लैंग्वेज और कॉग्निटिव डेवलपमेंट। जर्नल ऑफ़ कॉग्निटिव एजुकेशन) 18(3), 201–218.

Sharma, R., and Gupta, S. (2023). Medium Language and Academic Performance. Indian Educational Research Journal, (मीडियम लैंग्वेज और एकेडमिक परफॉर्मेंस। इंडियन एजुकेशनल रिसर्च जर्नल) 45(2), 112–128.

Singh, B., and Kaur, J. (2022). The Impact of School Climate. Journal of Educational Environment, (स्कूल के माहौल का असर। जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल एनवायरनमेंट) 25(2), 156–173.

Singh, R., and Yadav, P. (2022). Resource Availability and Educational Quality. Indian Educational Journal, (रिसोर्स की उपलब्धता और एजुकेशनल क्वालिटी। इंडियन एजुकेशनल जर्नल) 36(1), 55–72.

Verma, P., and Singh, K. (2022). A Comparative Study of Hindi and English Medium Schools. Education and Society, (हिंदी और इंग्लिश मीडियम स्कूलों का एक तुलनात्मक अध्ययन। एजुकेशन एंड सोसाइटी) 38(3), 245–262.